DOMS | Page No.
Date / /

Name - Mona Gupta

Name of the college - Durga College Raipur (C.G.)

Name of the faculty - Commerce

Designation - Asst. Professor

Topic - Indifference curve Analysis

Date. - 16-07-2023

DOMS | Page No.
Date / /

तटस्थता वक्र विश्लेषण

(उपभोक्ता व्यवहार सिद्धांत)

अर्थ → तटस्थता वक्र वह वक्र है जिस पर स्थित प्रत्येक बिंदु दो वस्तुओं के ऐसे संयोगों को बताता है जिससे किसी उपभोक्ता को समान संतुष्टि मिलती है, अर्थात् तटस्थता वक्र पर अंकित प्रत्येक बिंदु उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्रदान करने वाले संयोगों को व्यक्त करता है सभी संयोगों से समान संतुष्टि प्राप्त होती है इसलिए उपभोक्ता किसी विशेष संयोग के चुनाव में रुचि नहीं रखता अर्थात् तटस्थ रहता है। तटस्थता वक्रों को सम संतुष्टि वक्र (Iso-utility curves) भी कहा जाता है।

परिभाषा →

जे. के. ईस्थन → "यह मात्राओं के उन जोड़ों को प्रदर्शित करने वाले बिंदुओं का मार्ग होता है, जिसमें व्यक्ति तटस्थ होता है; इसी कारण इसे तटस्थता वक्र कहते हैं।"

गणितीय रूप में

$U_0 = (F_1, f_2)$

U = उपयोगिता

F_1, f_2 - विभिन्न संयोग

प्रतिस्थापन की सीमांत दर (MRS)

किसी वस्तु - X की एक अतिरिक्त इकाई का उपभोग बढ़ाने पर दूसरी वस्तु - Y की मात्रा में जिस दर से कमी होती है ताकि संतुष्टि का स्तर समान रहे, प्रतिस्थापन की सीमांत दर कहते है।

MRS घटने के कारण ही तटस्थता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर होते है.

$$MRS = \frac{\Delta Y}{\Delta X}$$

तटस्थता सारणी

संयोग	वस्तु x	वस्तु Y	प्रतिस्थापन दर	सीमांत प्रतिस्थापन दर
A	1	20	—	—
B	2	14	$1X = 6Y$	$X = 6$
C	3	10	$1X = 4Y$	$X = 4$
D	4	8	$1X = 2Y$	$X = 2$
E	5	7	$1X = 1Y$	$X = 1$

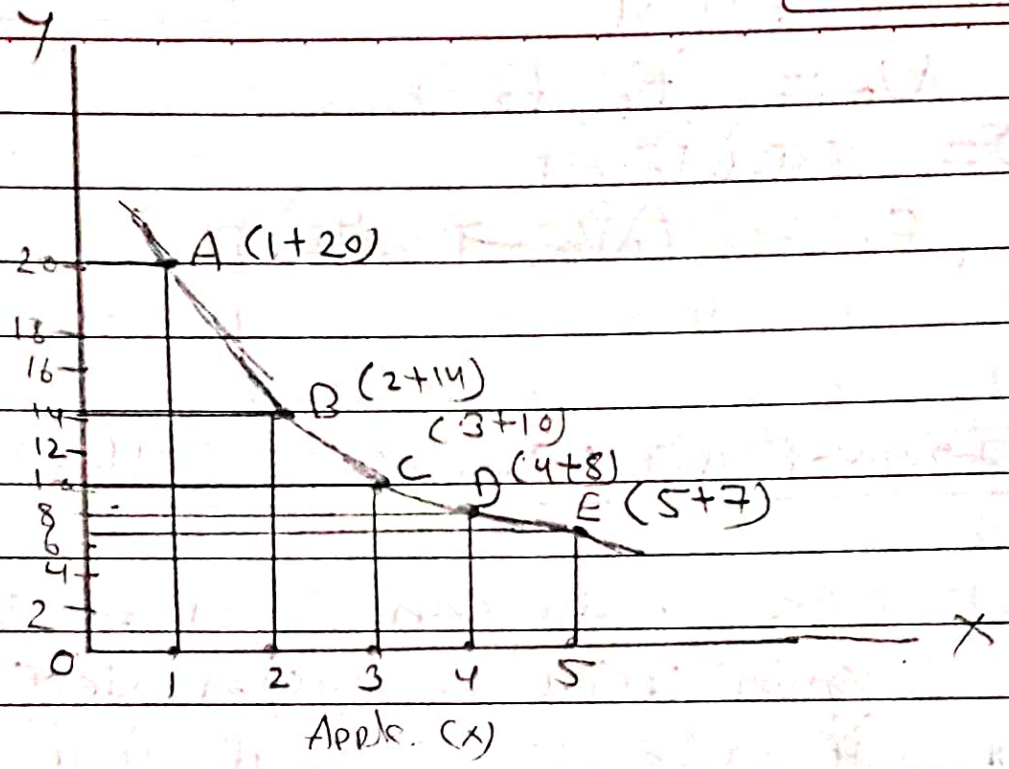

DOMS Page No.
Date / /

तटस्थता वक्र मानचित्र ->

यदि एक ही रेखा चित्र में एक से अधिक उदासीनता वक्र बनाए जाते हैं तो तटस्थता मानचित्र प्राप्त होता है। ऊँचा वक्र उपभोक्ता के अधिक संतुष्टि को दर्शाता है जबकि नीचा तटस्थता वक्र उपभोक्ता के नीचे या कम संतुष्टि को बताता है।

मान्यता ->

तटस्थता वक्र की मान्यताएं हैं

1. उपभोक्ता विवेकशील है।
2. उपयोगिता क्रमवाचक है।
3. पसंद संगति युक्त $A > B$
   $B > C$

तटस्थता वक्र की विशेषताएं

1. **तटस्थता वक्र बायें से दायें नीचे की ओर झुकता है**

उदासीनता वक्र बाएं से दाएं हाथ की ओर झुके होते हैं या ऋणात्मक ढाल वाले होते हैं कि उपभोक्ता एक वस्तु की अधिक मात्रा प्राप्त करना चाहता है, तब दूसरी वस्तु की कुछ मात्रा का त्याग करता है ताकि उसकी संतुष्टि पूर्ववत बनी रहे।

(अ) तटस्थता वक्र धनात्मक नहीं हो सकते

(ब) तटस्थता वक्र X अक्ष के समानांतर नहीं हो सकते

(स) तटस्थता वक्र Y अक्ष के समानांतर भी नहीं हो सकते है।

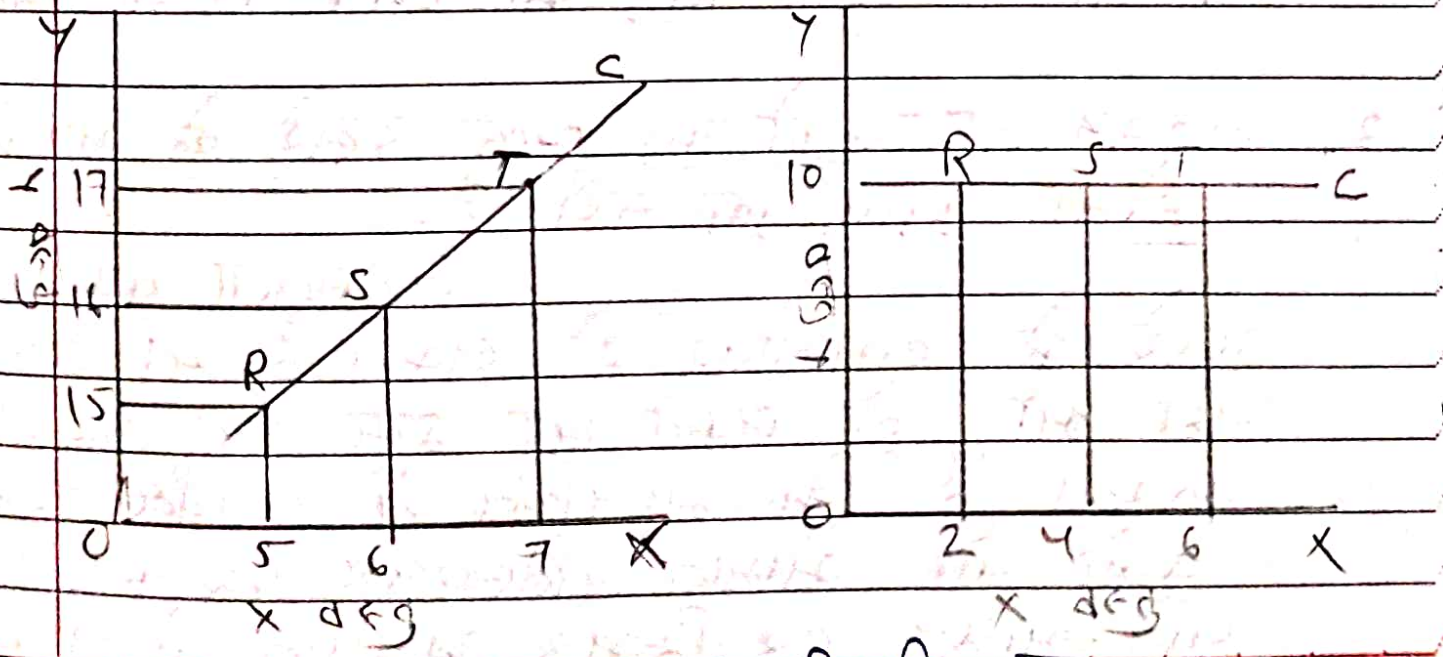

स्थिति 'अ'

स्थिति 'ब'

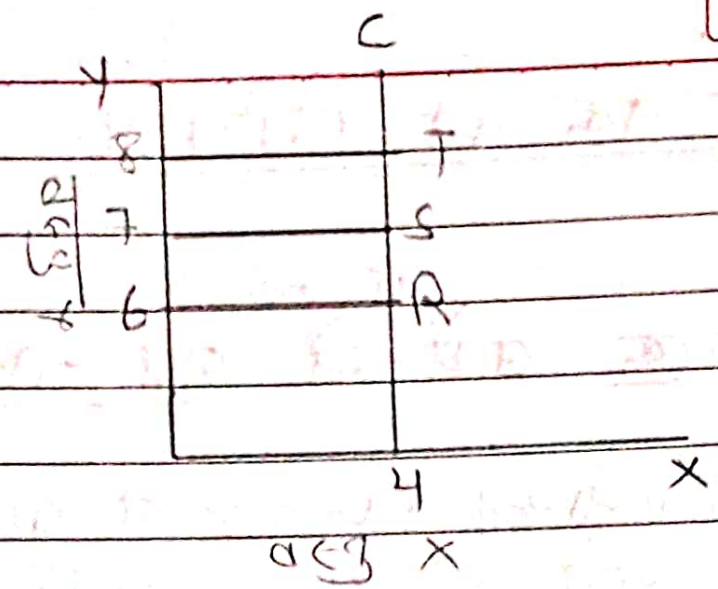

स्थिति 'स'

2. तटस्थता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर (convex) होते है।

तटस्थता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर होते है ऐसा सीमांत प्रतिस्थापन दर के कारण होता है, उपभोक्ता एक वस्तु की अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए दूसरे वस्तु की कुछ मात्रा का त्याग करता है मूल बिंदु को हमने 0 से दर्शाया है

3. तटस्थता वक्रो का एक दूसरे के समानांतर होना आवश्यक नहीं है।

तटस्थता वक्र एक दूसरे को समानांतर हो सकते है या समानांतर नहीं भी हो सकते। यह इस बात पर निर्भर करता है कि मानचित्र में प्रदर्शित तटस्थता वक्रो की सीमांत प्रतिस्थापन दर क्या है। प्रतिस्थापन दर स्थिर अनुपात में ही घटती

हो तब ये समानांतर होंगें अन्यथा नहीं

4. **तटस्थता वक्र OX या OY किसी भी अक्ष को नहीं छूता**

उदासीनता वक्र X या Y में से किसी भी अक्ष को स्पर्श नहीं करता है यदि अक्ष किसी अक्ष को स्पर्श करता है तो इसका यह अर्थ होगा कि उपभोक्ता किसी वस्तु की शून्य मात्रा का उपभोग कर रहा है जो कि तटस्थता वक्र की मूल धारणा के विपरीत है।

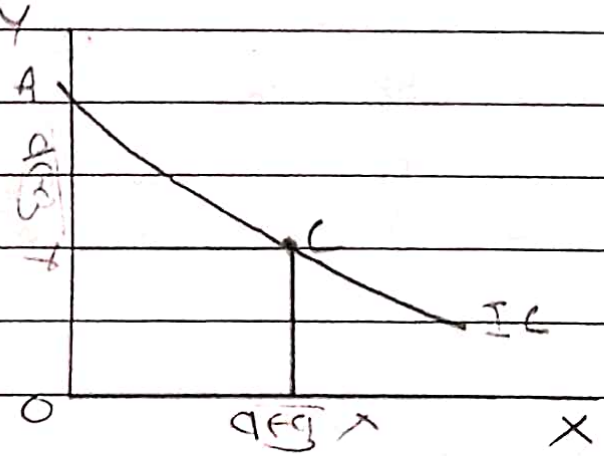

5. **ऊँचे तटस्थता वक्र संतुष्टि के अधिक स्तर को व्यक्त करते हैं**

तटस्थता वक्र मूल बिंदु से जितनी अधिक दूर स्थित होता है वह उपभोक्ता के अधिक संतुष्टि को दर्शाता है जबकि नीचा वक्र तुलनात्मक रूप से कम संतुष्टि को दर्शाता है।

6. दो तटस्थता वक्र एक दूसरे को नहीं काटते- प्रत्येक तटस्थता वक्र संतुष्टि के विभिन्न स्तर को व्यक्त करता है अतः वे कभी एक दूसरे को काट नहीं सकते है।

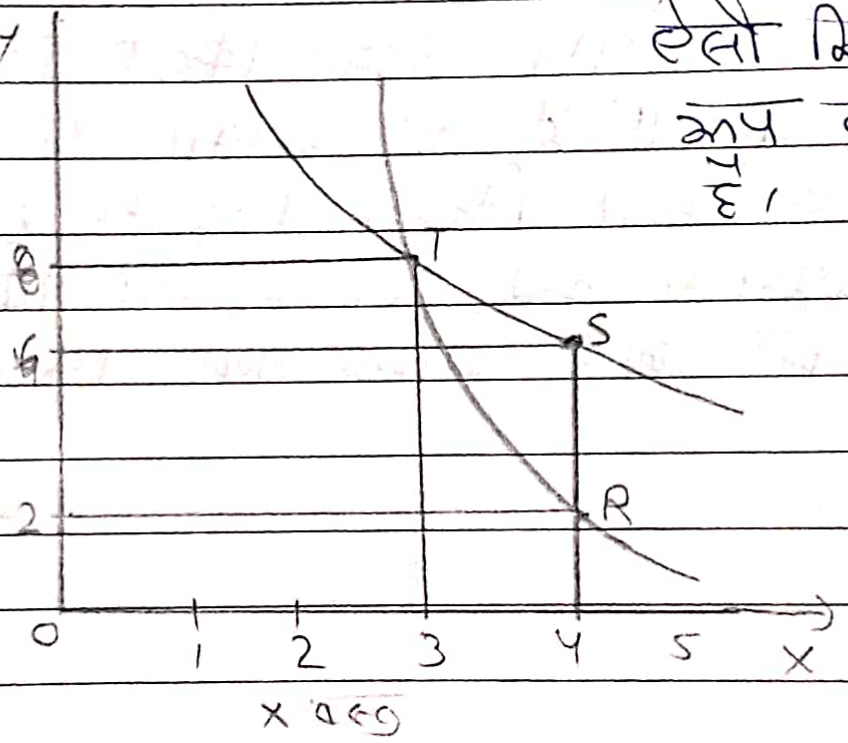

ऐसी स्थिति व्यवहारिक रूप से संभव नही है।

आलोचना ->

यद्यपि तटस्थता वक्र विश्लेषण को तुष्टिगुण विश्लेषण से श्रेष्ठ माना गया है फिर भी इसकी कुछ आलोचनाएं है।

1. अवास्तविक मान्यताएं

उपभोक्ता का विवेकशील होना, वस्तुओं को सदैव क्रम से पाना आदि मान्यताएं अवास्तविक है।

2. उच्चिष्ठगुण विश्लेषण को ही नया नाम दिया गया जिसकी कोई आवश्यकता नहीं थी।

3. दो से अधिक वस्तुएं ->
दो से अधिक वस्तुओं का तटस्थता वक्र त्रि आयामी होता है जो कि अत्यधिक जटिल हो जाता है।

4. समष्टिगत अध्ययन के लिए जटिल ->
तटस्थता वक्र एक उपभोक्ता के व्यक्तिगत व्यवहार को सरलता से अध्ययन करता है परंतु समष्टि के अध्ययन में यह जटिल हो जाता है।

5. जोखिम व अनिश्चितता का अभाव ->
उपभोक्ता के व्यवहार में जोखिम और अनिश्चितता का प्रभाव होता है जिसे तटस्थता वक्र ध्यान नहीं देता।